an>

Title: Regarding adulteration of food items in the country.

डॉ. मनोज राजोरिया (करौली-धौलपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका ध्यान खाद्य पदार्थों में हो रही मिलावट की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। खाने-पीने की कोई भी वस्तु हो, सबमें मिलावट की वजह से पूरे देशवासी परेशान हैं। पिछले दिनों चाहे मेगी का या कोल्ड ड्रिंक्स में पेप्सी का उदाहरण लें, सबमें मिलावट की वजह से हमें परेशानी उठानी पड़ रही है। लेकिन जितनी सख्त कार्रवाई इस बारे में होनी चाहिए, उतनी नहीं हो पाती है।

मैं सरकार का ध्यान भारत में कुछ कम्पनीज जैसे के.एफ.सी., मेकडोनाल्ड, पिज्जा हट, डोमीनोज़ की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। ये ऐसी कम्पनीज हैं, जिनके स्ट्रॉंग नेटवर्क की वजह से और स्ट्रॉंग मार्केटिंग की वजह से भारत का युवा इनके उत्पादों का काफी उपयोग करता है। ये कम्पनीज पिज्जा, बर्गर और पैक्ड फूड लोगों को बेचती हैं। इन पदार्थों की वजह से हमारे शरीर में इतनी मिलावट होने लग गई है, जिसकी वजह से हमारे, विशेषकर युवाओं के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार और मंत्री जी का ध्यान अंतरराष्ट्रीय स्तर के इन कम्पनीज के स्टेंडर्ड्स और भारत में इनके जो स्टेंडर्ड्स होते हैं, उनके बीच में जो अंतर है, उस ओर आकर्षित करना चाहता हूं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इन कम्पनीज के जो अन्य देशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, यूरोपीय स्तर पर जो मापदंड होते हैं, उन्हीं की भांति भारत में भी इनके प्रोडक्ट्स उस स्तर के होने चाहिए। इसके साथ ही साथ समय-समय पर इनके खाद्य पदार्थों जैसे पिज्जा है या पैक्ड फूड है या कोल्ड ड्रिंक्स हैं, जांच कराई जाए और यदि ये कम्पनीज दोषी पाई जाती हैं तो इन पर सख्त रूप से आर्थिक और कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी कम्पनी मिलावट करने से घबराए कि मिलावट करने पर गम्भीर सजा मिलेगी।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री अजय मिश्रा, श्री प्रहलाद सिंह पटेल, श्री पी.पी. चौधरी, श्री दहन मिश्रा, श्री रमेश बिधूड़ी, श्री सी.आर. चौधरी, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्रीमती अंजु बाला, श्रीमती रीती पाठक, श्रीमती संतोष अहलावत, डॉ. हिना विजयकुमार गावीत, श्रीमती रेखा वर्मा, श्री सी.पी. जोशी, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को डॉ. मनोज राजोरिया द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।